Result Mitra Daily Current Affairs

टॉपिक 1 :– राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

- यह दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है
- पहली बार राष्ट्रीय हथकरघा दिवस को वर्ष 2015 में मनाया गया था।

क्यों मनाया जाता है :– स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत की याद में।

पहला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस :– चेन्नई में 2015 में एक कार्यक्रम के दौरान मनाया गया।

दिवस का उद्देश्य :–

1.भारत में हथकरघा कामगारों को सम्मान और प्रोत्साहन प्रदान करना।

2. देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में हथकरघा कामगारों के योगदान के बारे में जागरूकता पैदा करना।

दिवस का महत्व :–

1. भारत के हथकरघा बुनकरों की कड़ी मेहनत और रचनात्मकता की याद दिलाता है।
2. यह दिन हमे बताता है की भारत के हथकरघा बुनकर देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं।

3. यह दिन भारतीय हथकरघा के समृद्ध इतिहास के बारे में जागरूकता पैदा करता है

हथकरघा क्षेत्र तथा महिला उद्योग:–

1.भारत में हथकरघा क्षेत्र महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है

2. इस उधोग में 70 फीसदी से अधिक हथकरघा बुनकर श्रमिक महिलाएं हैं।

हथकरघा क्षेत्र के सामने चुनौतिया :– सिंथेटिक कपड़ों का आधुनिक वस्त्र उद्योग पर कब्ज़ा।

इस दिवस का इतिहास :–

- **स्वदेशी आंदोलन :–** लॉर्ड कर्ज़न के बंगाल प्रांत को विभाजित करने के फैसले के विरोध में।
- अगस्त 1905 में कलकत्ता के टाउनहॉल में स्वदेशी आंदोलन (Swadeshi Movement) की औपचारिक घोषणा।
- रवीन्द्रनाथ टैगोर (Rabindranath Tagore) ने 'आमार शोनार बांग्ला' (Amar Sonar Bangla) की रचना की।

टॉपिक 2 :– हिंदू विजय सूर्य मंदिर

चर्चा में क्यों :– हाल ही में एएसआई के द्वारा इसे मस्जिद बताया गया है

विवाद :– यहां पर नाग पंचमी के अवसर पर हिंदू काफी वर्षों से पूजा करते आ रहे हैं हाल ही में जब यहां पूजा करने की अनुमति मांगी गई तो एएसआई के द्वारा इसे मस्जिद बताया गया है

विजय सूर्य मंदिर के बारे में :– यह मंदिर विदिशा में स्थित है।

कब बना :–11 वीं सदी में

निर्माता :– परमार काल के शासक राजा कृष्ण के प्रधानमंत्री चालुक्य वंशी वाचस्पति द्वारा।

- **विशेषता :–** मंदिर को बीजामंडल के नाम से भी जाना जाता है
- मंदिर के विशाल पत्थरों पर परमारकालीन राजाओं की गाथाएं उकेरी है।
- वर्तमान में यह मंदिर आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अधीन है।

मंदिर की ऊंचाई :– लगभग डेढ़ सौ गज।

Result Mitra

मंदिर का इतिहास :–

- इस मंदिर को खंडित करने का आरोप औरंगजेब के ऊपर लगता है की उसने 11 तोपों से मंदिर को खंडित किया था
- इस मंदिर पर 5 बार हमले किए जाने की जानकारी मिलती है
- यह हमले 17 वीं शताब्दी में हुए थे
- 17 वीं शताब्दी (1682 के आसपास) औरंगजेब ने पांचवा आक्रमण किया। मंदिर को 11 तोपों से उड़ा दिया गया और मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया।
- औरंगजेब की मृत्यु के बाद मुगल शासन कमजोर हुआ जिस कारण यह क्षेत्र मराठा शासकों के अधीन हो गया। उन्होंने नमाज पर पाबंदी लगा दी थी जिस कारण नवाज़ बेतवा नदी के उस पार उदयगिरी रोड पर स्थित ईदगाह पर पढ़ी जाने लगी।

कब पता चला ये हिंदू मंदिर है :–

- हिन्दू महासभा ने 1947 में मंदिर के अधिकार को लेकर सत्याग्रह आंदोलन शुरु किया यह आंदोलन 1964 तक चला।
- मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ द्वारका प्रसाद मिश्र ने 1965 में यहां नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी।
- जब यह विवाद हिंदू मुस्लिम हुआ तो प्रशासन ने मुस्लिम समुदाय को अन्य जगह ईदगाह के लिए मुहैया कराई जिससे मुस्लिम समुदाय ने यहां नमाज पढ़ने बंद कर दिया।
- 1991 में भारी बारिश हुई जिसमें मंदिर की दीवार ढह जाने से सैकड़ों मूर्तियां बाहर आ गई। जिस कारण सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित हुआ और उसने पुरातत्व विभाग को मंदिर की खुदाई का आदेश दिया।
- आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया ने अगले तीन वर्ष तक यहां पर खुदाई का कार्य किया जिसमें अनेकों हिंदू मूर्तियां प्राप्त हुई।
- वर्तमान में भी यह मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नियंत्रण में है तथा नाग पंचमी के दिन यहां पर हिंदू समुदाय को पूजा करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

प्रिलिम्स:

प्रश्न. मुरैना के समीप स्थित चौंसठ योगिनी मंदिर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2021)

1. यह कच्छपघात राजवंश के शासनकाल में निर्मित एक वृत्ताकार मंदिर है।

2. यह भारत में निर्मित एकमात्र वृत्ताकार मंदिर है।

3. इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में वैष्णव पूजा-पद्धति को प्रोत्साहन देना था।

4. इसके डिजाइन से यह लोकप्रिय धारणा बनी कि यह भारतीय संसद भवन के लिए प्रेरणा-स्रोत रहा था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. 1 और 2

2. केवल 2 और 3

3. 1 और 4

4. 2, 3 और 4

टॉपिक 3 :– देश का तीसरा सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य

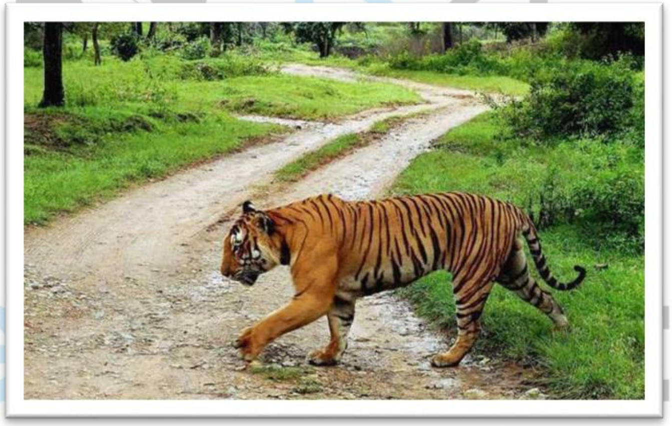

- हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य में देश के तीसरे सबसे बड़े बाघ अभ्यारण को बनाए जाने की घोषणा की गई है
- इस बाग अभ्यारण का नाम घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व अधिसूचित किया गया है।
- जिस राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान तथा तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य के क्षेत्र को शामिल किया जाएगा।
- गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला अभयारण्य के क्षेत्रफल के अंतर्गत निम्नलिखित जिले आते हैं:– मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर और बलरामपुर।

- आंध्र प्रदेश का नागार्जुनसागर श्रीशैलम बाघ अभयारण्य देश का सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य के तौर पर जाना जाता है जिसका क्षेत्रफल 3,296.31 वर्ग किमी है।
- जबकि असम का मानस टाइगर रिजर्व देश का दूसरा सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य के रूप में जाना जाता है जिसका क्षेत्रफल 2,837.1 वर्ग किमी है।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में बाघ अभयारण्य :– तीन बाघ अभयारण्य हैं -

1.बीजापुर जिले में इंद्रावती

2.गरियाबंद में उदंती-सीतानदी

3. मुंगेली में अचानकमार।

प्रश्न. पारिस्थितिक दृष्टिकोण से पूर्वी घाटों और पश्चिमी घाटों के बीच एक अच्छा संपर्क होने के रूप में निम्नलिखित में किसका महत्त्व अधिक है? (2017)

(a) सत्यमंगलम बाघ अरक्षित क्षेत्र (सत्यमंगलम टाइगर रिज़र्व)

(b) नल्लामला वन

(c) नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान

(d) शेषाचलम जीवमण्डल अरक्षित क्षेत्र (शेषाचलम बायोस्फीयर रिज़र्व)

उत्तर: (a)

TM
Result Mitra

टॉपिक 4 :– राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

- वर्तमान संदर्भ : केंद्र सरकार के द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की घोषणा की गई जिसके तहत यह पुरस्कार चंद्रयान-3 के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों की टीम को दिया जाएगा।
- इसने मुख्य है गोविंदराजन पद्मनाभन और अन्य।

- **पुरस्कार के बारे में :–** यह पुरस्कार प्रतिवर्ष भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के द्वारा दिया जाता है।
- इस पुरस्कार को दिए जाने का मुख्य उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देना और वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों को सम्मानित करना है।
- यह पुरस्कार निम्नलिखित 13 क्षेत्रों में प्रदान किया जाता हैं: –
- पृथ्वी विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग विज्ञान, कृषि विज्ञान,भौतिकी, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, परमाणु ऊर्जा, जैविक विज्ञान, गणित और कंप्यूटर विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और अन्य।

विज्ञान के क्षेत्र में प्रदान किए जाने वाले अन्य महत्वपूर्ण पुरस्कार :–

- **पद्म पुरस्कार :** यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष भारत सरकार के द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए दिया जाता है।
- शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार : यह पुरस्कार भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।

प्रिलिम्स:

प्रश्न. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार दिया जाता है? (2009)

(a) साहित्य

(b) प्रदर्शन

(c) विज्ञान

(d) समाज सेवा

उत्तर: ©

Topic 5 :– वक्फ (Waqf) संशोधन विधेयक 2024

चर्चा में क्यों:– हाल ही में केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड में परिवर्तन करने के लिए वक्फ संशोधन विधेयक 2024 लोकसभा में प्रस्तुत किया।

वक्फ शब्द का अर्थ :–

- **यह एक अरबी भाषा का शब्द है**
- **वक्फ का का अर्थ ऐसी संपत्ति या धन होता है जो परोपकार के लिए खुद को अर्पित की जाती है**
- **वक्फ संपत्ति में चल और अचल दोनों प्रकार की संपत्ति को शामिल किया जाता है।**
- **वक्फ में केवल मुस्लिम व्यक्ति ही अपनी संपत्ति दान कर सकता है**
- **एक बार अगर किसी संपत्ति को वक्फ घोषित कर दिया जाता है तो फिर वह बाद के गैर-हस्तांतरणीय हो जाती है।**

वक्फ बोर्ड :–

मुसलमानों द्वारा दान की गई संपत्ति जिस वक्फ के अंतर्गत रखी जाती है इसी का प्रबंध करने के लिए एक बोर्ड का गठन भी किया जाता है। इसे ही वक्फ बोर्ड कहा जाता है।

वक्फ बोर्ड दो प्रकार के होते है शिया और सुन्नी ।

- वक्फ बोर्ड को कानूनी मान्यता प्राप्त है।
- प्रत्येक राज्य में वक्फ बोर्ड का गठन किया जाता है।
- वक्फ बोर्ड में संपत्तियों का पंजीकरण अनिवार्य है।
- संपत्तियों का पंजीकरण, प्रबंधन और संरक्षण बोर्ड द्वारा ही किया जाता है।
- राज्यों में बोर्ड का नेतृत्व अध्यक्ष करता है।

वक्फ बोर्ड का सदस्य :–

- बोर्ड में एक अध्यक्ष तथा कुछ सदस्य होते हैं।

- सदस्य के रूप में :– राज्य सरकार में मुस्लिम सदस्य, मुस्लिम विधायक, मुस्लिम सांसद, राज्य बार काउंसिल के मुस्लिम सदस्य, इस्लामी विद्वान और वक्फ के मुतवल्ली शामिल किए जाते हैं।
- वक्फ बोर्ड को मुकदमा करने की शक्ति भी होती है।

Result Mitra TM

बोर्ड बोर्ड के कार्य :–

वक्फ बोर्ड, वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और रखरखाव के साथ ही इस संपत्ति से मुस्लिम समुदाय के लिए शिक्षण संस्थान, मस्जिद, कब्रिस्तान और रैन बसेरों का निर्माण करवाता है।

वक्फ एक्ट 1954 :–

- 1954 में देश में सबसे पहली बार वक्फ एक्ट बनाया गया।
- इसी एक्ट के द्वारा पहली बार वक्फ बोर्ड का जन्म हुआ।
- वक्फ एक्ट 1954 कानून का उद्देश्य वक्फ से जुड़े कामकाज को सरल बनाना था।
- एक्ट में 1955 में पहला संशोधन किया गया।
- एक नया वक्फ बोर्ड अधिनियम 1995 में बना। इस अधिनियम द्वारा ही हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड बनाने की अनुमति प्रदान की गई।
- इसमें संशोधन 2013 में किया गया था।

केंद्रीय वक्फ परिषद :–

- केंद्रीय वक्फ परिषद को 1964 में वक्फ अधिनियम 1954 के प्रविधान के अनुसार गठित किया गया।
- केन्द्रीय वक्फ परिषद एक सांविधिक निकाय है।
- यह अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अधीन है।
- केंद्रीय वक्फ परिषद को वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली और उनके प्रशासन से संबंधित मामलों में केन्द्र सरकार के सलाहकार निकाय के रूप में स्थापित किया गया था।

केंद्रीय वक्फ परिषद के कार्य :–

केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और राज्य वक्फ बोर्डों को सलाह देने का अधिकार।

केंद्रीय वक्फ परिषद का अध्यक्ष :– केंद्रीय मंत्री।

वक्फ बोर्ड कितना अमीर:–

- रेलवे और रक्षा विभाग के बाद देश में वक्फ बोर्ड के पास सबसे अधिक संपत्ति है।
- वक्फ बोर्ड की कुल अनुमानित संपत्ति करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये है।
- साल 2009 में वक्फ बोर्ड के पास चार लाख एकड़ जमीन थी।
- वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास देश में आठ लाख एकड़ से ज्यादा जमीन है।
- इस जमीन में अधिकांश मस्जिद, मदरसा, और कब्रिस्तान शामिल हैं।

विवाद क्यों :–

- 1.विवाद वक्फ अधिनियम के सेक्शन 40 को लेकर है।
- सेक्शन 40 के अंतर्गत बोर्ड को रिजन टू बिलीव की शक्ति प्राप्त है।
- जिसके अनुसार अगर बोर्ड को लगता है कि कोई संपत्ति वक्फ की संपत्ति है तो ऐसी संपत्ति की जांच खुद बोर्ड कर सकती है और वक्फ संपत्ति होने का दावा पेश कर सकता है।
- जिस संपत्ति के ऊपर वक्फ बोर्ड ने दावा किया है
- अगर वहां कोई रह रहा है तो वह अपनी आपत्ति को वक्फ ट्रिब्यूनल के पास दर्ज करा सकता है।
- वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।
- किंतु यह संपूर्ण प्रतिक्रिया इतनी जटिल और धीमी है जिससे लोगों को समय पर न्याय नहीं मिल पाता।

  2. अगर किसी संपत्ति को एक बार वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया तो हमेशा ही वह वक्फ रहती है। जिस वजह से कई सारी विवाद देखने को मिलते हैं।
- संसद का उद्देश्य ऐसे ही विवादों का समाधान करना है

3. बोर्ड में अभी तक किसी महिला को सदस्य के रूप में शामिल नहीं किया जाता था।

विधेयक के मुताबिक मुस्लिम महिलाओं को भी बोर्ड में सामिल किए जाने का प्रावधान है।

वक्फ संपत्ति से संबंधित प्रमुख विवाद :–

बेंगलुरू का ईदगाह मैदान विवाद :– वक्फ बोर्ड ने 1950 में इस मैदान पर वक्फ संपत्ति होने का दावा किया।
- वक्फ बोर्ड ने 2022 में तमिलनाडु में हिंदुओं के बसाए पूरे थिरुचेंदुरई गांव पर वक्फ होने का दावा किया।

TM Result Mitra

- सूरत नगर निगम भवन पर भी वक्फ ने दावा किया है। दावा इस आधार पर है की यह भवन मुगलकाल में सराय के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

वक्फ के अन्य दावे :- कोलकाता के टॉलीगंज क्लब, रॉयल कलकत्ता गोल्फ क्लब और बेंगलुरु में आईटीसी विंडसर होटल है।

Result Mitra